

ओ खाटु वाले तु नैन मिला ले गले से लगा ले



ओ खाटु वाले,
तु नैन मिला ले,
गले से लगा ले,
आया हूँ तेरे प्यार में,
कि तेरे कब से खड़ा हूँ,
दरबार में,
श्याम बाबा,
ये दिल न तोड़ो,
अकेला न छोड़ो,
मुझे यूँ संसार में,
कि ना जी पाऊंगा,
मैं मझधार में।

तर्ज - ओ फिरकी वाली तू।

मैंने तो तुझे,
कई बार ही कहा है,
सांवरिया तुने ना सुनी,
बढ़ती ही जाए दर पे,
भक्तों की नफरी,
सांवरिया ये दिन दुनी,
मेरे नैना चाहे कहना,
तुने वो नहीं सुनना,
फिर भी कहता,
मैं बात पुरानी,
ओ शीश के दानी,
समय न खो बेकार में,
कि तेरे कब से खड़ा हूँ,
दरबार में।

आया हूँ बाबा,
आज सोच के ये दिल में,
कह दूँ मैं तू सुन लेगा,
तेरे तसव्वुर,
सदा रह रह के मुझको,
सोने दे ना ये रोने,
अब ख्वाबों में,
आ जा मेरे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कि “जालान” किसी से नाता,
युं ही ना जताता,
निभे ये एतबार में,
कि तेरे कब से खड़ा हूं,
दरबार में।

ओ खाटु वाले,
तु नैन मिला ले,
गले से लगा ले,
आया हूं तेरे प्यार में,
कि तेरे कब से खड़ा हूं,
दरबार में,
श्याम बाबा,
ये दिल न तोड़ो,
अकेला न छोड़ो,
मुझे यूं संसार में,
कि ना जी पाऊंगा,
मैं मझधार में।

– भजन रचयिता –
पवन जालान जी ।
94160-59499 भिवानी (हरियाणा)